3

लोक गीत

पानि एलइ-बुनी एलइ ।
कउआ के जमाय एलइ ।।
डाला-डुली घर करी ।
बेटी कें बिदा करी ।।

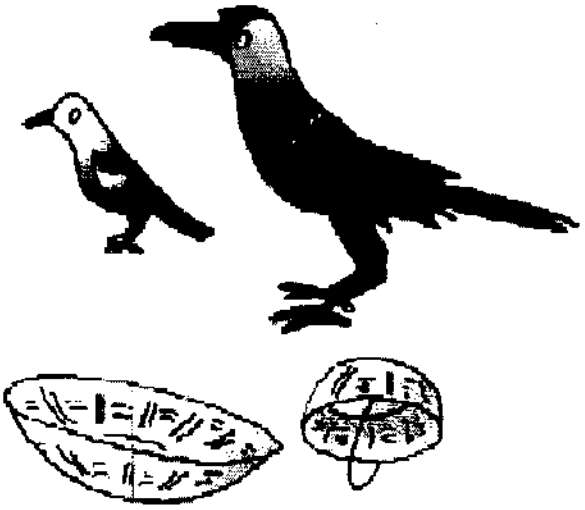

मयना दीदी गाबथि गीत ।
समय सोहाओन नीक थीक ।।
सीता माता केलनि विचार ।
राम देथिन सोनक हार ।।

बगरा रानी उरि कय एली ।
परबा दादी ततपर भेली ।।
फुद्दी काकी देल आशीष ।
दूध खाइ ले गाय, महीस ।।

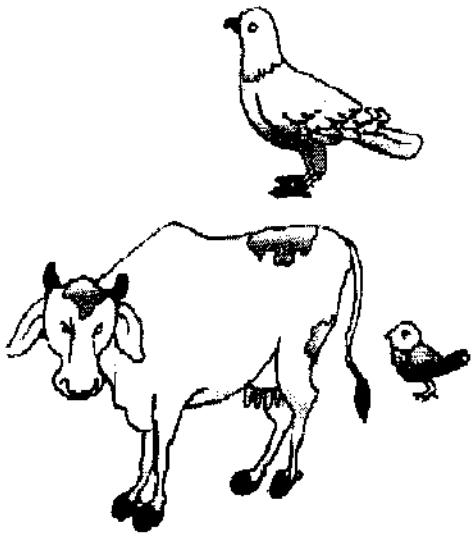

– मैथिलीपुत्र 'प्रदीप'

प्रश्न ओ अभ्यास

1. सही जोड़ाक मिलान करू

पानि	जमाय
दूध	बुन्नी
सीता	डुलि
डाला	माता
बेटी	गाय

2. वाक्य बनाउ

जमाय .....

बिदा .....

हार .....

गीत .....

3. खाली जगहकेँ भरू

..... एलइ ..... एलइ ।

कउआ के ..... एलइ ।।

..... घर करी ।

बेटीकेँ ..... करी ।।

एहि कवितामे कोन-कोन पक्षीक नाम अछि, लिखू

.....

पाँच गोट एहन जानवरक नाम लिखू जकरा दूध होइत छैक।

.....

लग-पासक दस गोट चिड़इक नाम लिखू

.....

.....

माने जानू

बुन्नी	-	वर्षाक छोट-छोट बुन्द ।
आशीष	-	आशीर्वाद
जमाय	-	बेटीक पति